स्टोरी प्रस्तावों के लिए आमंत्रण

क्लीन एयर कैटलिस्ट कार्यक्रम के तहत अनुदान, 2022

मध्यप्रदेश में वायु प्रदूषण पर मीडिया रिपोर्टिंग

अंतमि तारीख: 26 July, 2022

इंटरन्यूज का अर्थ जर्नलिज़्म नेटवर्क (ईजेएन) मध्यप्रदेश में वायु प्रदूषण पर रिपोर्टिंग के लिए स्टोरी ग्रांट (अनुदान) प्रदान करने हेतु भारतीय पत्रकारों के आवेदन आमंत्रित करता है.

कृपया नीचे लिखे अंशों को ध्यान से पढ़ें, क्योंकि उनमें पात्रता और आवेदन प्रक्रिया के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है.

विवरण

वायु प्रदूषण भारत और दुनियाभर में सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, जो मानव स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है.

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अभियान में अपनी सफलता के लिए मध्यप्रदेश के इंदौर शहर को काफी सराहना मिली है. इसे लगातार 5 वर्ष भारत का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया है, लेकिन स्वच्छ हवा की बात करें तो यह शहर ऐसी प्रगति दर्ज कराने में विफल रहा है.

स्टेट ऑफ द एयर रिपोर्ट 2021 (एजी1) के अनुसार, "इंदौर में तीन हस्तचालित निगरानी (मैनुअल मॉनिटरिंग) स्थलों पर लगभग हर तीसरे दिन किए गए माप के आधार पर 2019 में पीएम 2.5 सालाना औसतन 36-39 μg/m3 के बीच रहा है." पीएम (पार्टिकुलेट मैटर) से हवा में धूल- मिट्टी, धुंध जैसी गंदगी के 2.5 माइक्रोमीटर आकार के सूक्ष्म कणों की मौजूदगी को मापते हैं.

भारत के केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पाया कि इंदौर में वायु की गुणवत्ता सन 2011 से 2015 के बीच लगातार पांच वर्षों से अधिक समय तक राष्ट्रीय पैमानों (नेशनल एंबिएंट एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड्स या एनएएक्यूएस) पर कमतर रही है.

भारत और दुनियाभर में प्रदूषण के मुद्दों ने जनता, नीति निर्माताओं और शोधकर्ताओं का ध्यान खींचा है. लेकिन इस जटिल मुद्दे को लेकर समझ और इसे कैसे हल किया जाए, इस पर आम सहमति की कमी बनी हुई है.

वायु प्रदूषण को लेकर जनता की धारणा के साथ ही नीति निर्धारण प्रक्रिया में मीडिया और विशेष रूप से पर्यावरण पत्रकारिता की भूमिका महत्वपूर्ण है. अलग-अलग किस्म के समुदायों के बीच आपसी बातचीत को

बढ़ावा देने, लोगों के व्यवहार में बदलाव लाने और सरकारी नीतियों के बारे में विश्वसनीय और पुष्ट जानकारियां पहुंचाने में मीडिया समूह मदद कर सकते हैं.

इंटरन्यूज का अर्थ जर्नलिज्म नेटवर्क इस जरूरत को पूरा करने में मदद करने के लिए यू.एस. एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) के प्रमुख कार्यक्रम क्लीन एयर कैटलिस्ट में शामिल हुआ है. इस प्रोग्राम का नेतृत्व वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टिट्यूट (डब्ल्यूआरआई) और एनवायर्नमेंटल डिफेन्स फंड (ईडीएफ) कर रहे हैं, ताकि दुनिया भर के लोगों के साथ काम करके स्वच्छ वायु संबंधी समाधानों के लिए प्रयासों में तेजी लाई जा सके. इनका मकसद है, वायु प्रदूषण के स्रोतों की स्थानीय स्तर पर पहचान करते हुए इनके बारे में जागरूकता बढ़ाना और इस समस्या पर केंद्रित एक ऐसा गठजोड़ बनाना जो ज्यादा स्वच्छ, स्वस्थ हवा के लिए हस्तक्षेप करे. यह पांच वर्षीय कार्यक्रम विकासशील देशों में वायु प्रदूषण को कम करने और मानव स्वास्थ्य में सुधार करने वाले अनुरूप, आत्मनिर्भर समाधानों की क्षमता का निर्माण करेगा. इंदौर उन तीन शहरों में से एक है जहां यह कार्यक्रम शुरू किया गया है.

इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में ईजेएन इस मुद्दे के कवरेज की गुणवत्ता और मात्रा में सुधार के लिए मध्यप्रदेश में पत्रकारों को स्टोरी ग्रांट्स और परामर्श प्रदान कर रहा है.

स्टोरी की थीम (विषय वस्तु)

हम उन स्टोरी आइडियाज़ का स्वागत करते हैं, जो वायु प्रदूषण और इसकी वजह से स्थानीय आबादी के समक्ष खतरों पर केंद्रित हैं, विशेष रूप से इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में.

पत्रकार स्थानीय पर्यावरण, अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य और विकास पर वायु प्रदूषण के प्रभावों की पड़ताल कर सकते हैं. हम समाधान आधारित स्टोरी प्रस्तावों का स्वागत करते हैं जो वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने और राज्य में वायु की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में कार्यों पर ध्यान केंद्रित करते हैं.

उन स्टोरी आइडियाज़ में हमारी विशेष रूप से रुचि हैं, जिनका उद्देश्य वायु प्रदूषण पर लैंगिक संवेदनशीलता के तरीके से और लैंगिक मुद्दों (जेंडर इश्यूज़) पर केंद्रित आइडियाज़ पर रिपोर्टिंग करना है, खास कर उन समूहों को लेकर जो वायु प्रदूषण के कारण बेहद जोखिम में हैं. जिन स्टोरी आइडियाज़ पर पहले ही बहुत अधिक मीडिया कवरेज हो चुका है या जिनमें वायु प्रदूषण की चुनौतियों को लेकर लैंगिक दृष्टिकोण शामिल नहीं हैं, उनके चुने जाने की संभावना कम है.

हमारा उद्देश्य स्थानीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न समुदायों और नीति निर्माताओं के बीच वायु प्रदूषण के बारे में जागरूकता बढ़ाने वाली स्टोरीज़ के निर्माण में सहायता करना है.

पात्रता

आवेदक भारत में कहीं से भी हो सकते हैं; मध्यप्रदेश के आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी. मई 2022 में इंदौर में आयोजित 'क्लीन एयर कैटलिस्ट' मीडिया प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लेने वाले पत्रकारों को प्राथमिकता दी जाएगी.

पत्रकारों के समूह (ग्रुप) भी प्रस्ताव भेज सकते हैं. हालांकि आवेदन एक प्रमुख आवेदक के नाम से होना चाहिए. अगर ग्रुप के लिए ग्रांट स्वीकृत होती है तो प्रमुख आवेदक को ईजेएन के साथ संवाद करना होगा और अनुदान राशि प्राप्त करनी होगी.

इस ग्रांट के लिए हम केवल अंग्रेजी भाषा में आवेदन स्वीकार करेंगे. हालांकि, चयनित अनुदानकर्ता अंग्रेजी या हिंदी भाषा में अपनी स्टोरी तैयार कर सकते हैं.

किसी भी माध्यम (ऑनलाइन, प्रिंट, टेलीविजन, रेडियो) में काम करने वाले पत्रकार और पेशेवर रिपोर्टिंग के अन्य अनुभवी मीडियाकर्मी आवेदन भेज सकते हैं. हम वायु प्रदूषण को पहले से कवर कर रहे करियर के शुरुआती दौर वाले पत्रकारों और अनुभवी रिपोर्टरों के आवेदनों का स्वागत करते हैं. हम स्वतंत्र पत्रकारों और सभी प्रकार के मीडिया संस्थानों- अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, स्थानीय और समुदाय-आधारित संस्थानों के कर्मचारियों को भी आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं.

अनैतिक या अनुचित पेशेवर आचरण में लिप्त पाए जाने पर आवेदकों को अयोग्य ठहराने का अधिकार इजेएन के पास सुरक्षित है.

स्टोरी के लिए राशि

हम $1000 के औसत बजट के साथ अधिकतम 14 अनुदान देने की अपेक्षा करते हैं.

हम इस उम्मीद के साथ जुलाई में अनुदान जारी करने की योजना बना रहे हैं कि सभी स्टोरीज़ सितंबर के अंत तक प्रकाशित हो जाएंगी. आवेदकों को अपनी कार्ययोजना का मसौदा तैयार करते समय इस टाइमलाइन पर विचार करना चाहिए.

पत्रकारों की सुरक्षा: हम रिपोर्ट करते समय पत्रकारों को कोविड -19 के लिए सर्वोत्तम तौर-तरीकों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं. यदि आवश्यक हो, तो आपको अपने बजट में कोविड से संबंधित किसी भी लागत, जैसे जांच (टेस्ट) या निजी सुरक्षा उपकरण को शामिल करना चाहिए.

प्रकाशन की भाषा: स्टोरीज़ अंग्रेजी या हिंदी में बनाई जा सकती हैं. हालांकि, जो आवेदक हिंदी में स्टोरीज़ लिखना या प्रोड्युस करना चाहते हैं, उन्हें स्टोरी का पूर्ण अनुवाद या सारांश अंग्रेजी भाषा में ईजेएन को भेजना होगा. यदि आवश्यक हो तो कृपया बजट में अनुवाद की लागत शामिल करें.

स्टोरी बजट: सभी आवेदकों को नीचे दिए गए टेम्प्लेट का उपयोग करके अनुरोध की गई राशि के औचित्य के साथ एक विस्तृत बजट प्रदान करना आवश्यक है. हम चाहते हैं कि बजट उचित हो और इसमें यात्रा और आवास जैसी रिपोर्टिंग के लिए जरूरी लागतों का हिसाब हो.

सामान्यतया, छोटे बजट वाले आवेदन अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे, लेकिन हम नवीन (इनोवेटिव), आपसी सहयोग आधारित या खोजपरक दृष्टिकोणों का उपयोग करने वाली स्टोरीज़ के लिए बड़ी अनुदान राशि पर विचार करेंगे जो अधिक संसाधन और समय खर्च करने वाली हो सकती हैं.

हम उम्मीद करते हैं कि प्रस्तावों में मोटे तौर पर पता चलेगा कि आवेदक के पास कौन से उपकरण (जैसे कैमरा, ड्रोन, प्रकाश व्यवस्था, ट्रायपॉड आदि) पहले से मौजूद हैं और ऐसे बजट पर विचार नहीं करेंगे जो नए उपकरणों की खरीद पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं.

हम पत्रकारों के लिए वजीफे की मद में भुगतान पर पर विचार करेंगे, खास कर अगर आवेदक एक फ्रीलांसर है. कृपया अपनी स्टोरी को पूरा करने के लिए आवश्यक समयावधि का अनुमान लगाएं और प्रतिफल (कंपन्सेशन) का प्रस्ताव दें जो आपको लगता है कि उचित बाजार दर को दर्शाता है. हालांकि, हम पूछते हैं कि यह कुल बजट का 30% से अधिक तो नहीं है.

ईजेएन सहायता की आभारोक्ति: प्रकाशित स्टोरीज़ और/या प्रसारणों में इस टैगलाइन को शामिल करके ईजेएन के सहयोग का जरूर उल्लेख करें: "यह स्टोरी इंटरन्यूज के अर्थ जर्नलिज्म नेटवर्क की सहायता से तैयार की गई."

पुनःप्रकाशन के अधिकार: जिन पत्रकारों को ग्रांट दी जाएगी, वे अपनी स्टोरीज़ को पहले अपने संबद्ध मीडिया संस्थान में प्रकाशित या प्रसारित करने के लिए स्वतंत्र होंगे. साथ ही इंटरन्यूज की ईजेएन, क्लीन एयर कैटलिस्ट प्रोजेक्ट और ग्रांट के लिए कोष देने वाली संस्था यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) को भी स्वतंत्र रूप से ये स्टोरीज़ संपादित करने, प्रकाशित करने, प्रसारित करने और वितरित करने के अधिकार होंगे.

परख के मानदंड

आवेदकों को अपने स्टोरी प्रस्तावों को तैयार करते समय निम्नलिखित बिंदुओं पर विचार करना चाहिए:

- **प्रासंगिकता:** क्या आपका स्टोरी प्रस्ताव आमंत्रण के मानदंडों और उद्देश्यों को पूरा करता है? यह स्टोरी क्यों और किसके लिए मायने रखती है? क्या मुख्य आइडिया, संदर्भ और समग्र मूल्य लक्षित दर्शकों के लिए स्पष्ट रूप से परिभाषित हैं?

- **ऐंगल:** यदि स्टोरी को कवर किया गया है, तो क्या आपका प्रस्ताव विषय पर नई अंतर्दृष्टि लाता है या एक नया कोण प्रदान करता है?

- **प्रभाव:** क्या आपके प्रस्ताव में एक दमदार कहानी या खोजी तत्व है जो सूचना देगा या पाठकों को जोड़ेगा, ध्यान आकर्षित करेगा, बहस शुरू करेगा और कार्रवाई के लिए बाध्य करेगा?

- **नवाचार के साथ स्टोरी बनाना:** रचनात्मक दृष्टिकोण, मल्टीमीडिया और डेटा विज़ुअलाइज़ेशन के उपयोग को अतिरिक्त योग्यता माना जाएगा.

- **समय पर प्रकाशन की योजना:** रिपोर्टर, चाहे वे स्वतंत्र हों या मीडिया संस्थान में कार्यरत हों, इन्हें आगामी सितंबर माह के अंत तक स्टोरीज़ को प्रकाशित करने के लिए प्रतिबद्ध होकर संपादक का एक समर्थन-पत्र अपने आवेदन में शामिल करना होगा.

आवेदन प्रक्रिया

सबसे ऊपर देखें, 'आवेदन करें' बटन पर क्लिक करें.

- यदि इस वेबसाइट पर आपका मौजूदा अकाउंट है, तो आपको लॉग इन करना होगा. चूंकि हमने हाल ही में अपनी वेबसाइट को अपडेट किया है, इसलिए आपको लॉग इन पेज "फरगेट पासवर्ड?" पर क्लिक करके अपना पासवर्ड रीसेट करना पड़ सकता है. यदि आपके पास अकाउंट नहीं है, तो आपको पेज के ऊपर दाईं ओर "लॉग इन" पर क्लिक करके पंजीकरण करना होगा और खुलने वाले पृष्ठ के नीचे "साइन अप" लिंक पर क्लिक करना होगा. अपना अकाउंट कैसे बनाया जाए, इस पर विस्तृत निर्देशों के लिए यहां क्लिक करें, और अपना पासवर्ड कैसे रीसेट करें, इस पर विस्तृत निर्देशों के लिए यहां क्लिक करें.

- यदि आप आवेदन शुरू करते हैं और वापस आकर इसे बाद में पूरा करना चाहते हैं, तो आप ' सेव ड्राफ्ट' पर क्लिक कर सकते हैं. ड्राफ्ट पर लौटने के लिए और अपने आवेदन को अंतिम रूप देने के लिए फिर से 'आवेदन करें' पर आपको क्लिक करना होगा.

- आवेदन में अनुरोध की गई राशि के औचित्य के साथ आवेदकों को एक्सेल स्प्रेडशीट पर एक विस्तृत बजट देना है. इस लिंक पर क्लिक करके बजट टेम्पलेट डाउनलोड करें.
- सभी आवेदकों को अपने संपादक से समर्थन का एक हस्ताक्षरित पत्र देना जरूरी है, जिसमें स्पष्ट रूप से लिखा गया हो कि मीडिया संस्थान इस ग्रांट के परिणामस्वरूप तैयार स्टोरीज़ को प्रकाशित या प्रसारित करेगा.

आवेदकों को अपनी स्टोरीज़ के दो नमूने या प्रासंगिक कार्य के लिंक भी जमा करने होंगे.

नोटः आवेदन प्रक्रिया शुरू करने के बाद आपसे इन सहायक दस्तावेजों को अपलोड करने के लिए कहा जाएगा, इसलिए कृपया इन्हें तैयार रखें.

यदि आपको अपना आवेदन जमा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है या ग्रांट के बारे में कोई प्रश्न हैं, तो कृपया info.ejn@internews.org पर ईमेल करें. इस अवसर के संबंध में किसी अन्य इंटरन्यूज ईमेल पर संपर्क न करें, क्योंकि हम इसे प्राप्त नहीं करेंगे.

अंतिम तारीख के बाद जमा किए गए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा. कृपया किसी भी समस्या से बचने के लिए समय सीमा से कम से कम एक दिन पहले अपना आवेदन जमा करने पर विचार करें.

बैनर इमेजः ट्रेज़र आइलैंड मॉल, इंदौर के सामने फुट ओवरब्रिज से देखा गया महात्मा गांधी रोड का यातायात. क्रेडिटः प्रतीक करंदीकर Wikimedia Commons के जरिये.